कार्यालय, जिला पचांयत–अयोध्या।

पत्रांक– 1241 /जि0पं0का0/2019–20, दिनांक : 18 दिसम्बर, 2019

अनुमति–पत्र

श्री अभय प्रताप सिंह, अध्यक्ष स्व0 इन्द्र बहादुर सिंह एजूकेशनल सोसाइटी, ग्राम अमानीगंज, पोस्ट अमानीगंज, तहसील सदर जनपद अयोध्या के अर्न्तगत बाबू इन्द्र बहादुर सिंह कालेज आफ फार्मेसी, ग्राम अमानीगंज, पोस्ट अमानीगंज, तहसील मिल्कीपुर जनपद अयोध्या के मानचित्र स्वीकृत किये जाने विषयक प्रार्थना पत्र दिनांक 25 नवम्बर, 2019 के सन्दर्भ में सूचित किया जाता है कि उन्हे निम्नलिखित शर्तो/प्रतिबन्धों के आधार पर दिनांक 18 दिसम्बर, 2019 को, प्रस्तावित मानचित्र के अनुसार निर्माण कार्य की स्वीकृति दी जाती है:–

1. स्वीकृत मानचित्र के अनुरूप ही निर्माण कार्य करना होगा अन्यथा मानचित्र की स्वीकृति स्वयं निरस्त समझी जायेगी और नियमानुसार कार्यवाही की जा सकेगी।
2. स्वीकृति की अनुज्ञा अगले पॉच वर्ष तक वैध है। पॉच वर्ष में निर्माण कार्य पूर्ण न होने का पर्याप्त कारण बताने पर उक्त अवधि को दो वर्ष के लिए (किन्तु एक बार में एक वर्ष तक) बढ़ाया जा सकता है। नवीनीकरण प्रार्थना–पत्र स्वीकृत अवधि समाप्त होने के कम से कम एक माह पूर्व देना होगा।
3. यदि किसी प्रकार सचांर भूमिगत लाइन, टेलीफोन, वाटर पाइप आदि की लाइनो पर भवन निर्माण हेतु स्वीकृति प्रदान कर दी गई हो तो वह स्वतः निरस्त समझी जाएगी।
4. अपर मुख्य अधिकारी/अभियन्ता जिला पचांयत किसी भी समय भवन/निर्माण की छानबीन/निरीक्षण कर सकेंगे। निरीक्षण के समय मानचित्र प्रस्तुत करना होगा।
5. किसी भी विद्युत तार/लाइन के नीचे निर्माण नही करना होगा एंव सड़क/गली/नाली/नाला पर अतिक्रमण नही किया जाएगा।
6. भू–स्वामित्व का दायित्व प्रार्थी पर होगा। मानचित्र स्वीकृति के आधार पर भू–स्वामित्व का हक नही प्राप्त होगा। भू–स्वामित्व के सम्बन्ध में प्रश्नगत स्थल पर दी गयी स्वीकृति, किसी भी समक्ष न्यायालय के अधीन होगी।
7. भू–स्वामित्व अथवा किसी महत्वपूर्ण तथ्य को छिपाकर प्राप्त की गयी स्वीकृति की जानकारी होने पर मानचित्र निरस्त कर दिया जाएगा तथा तद्नुसार किया गया निर्माण अनाधिकृत माना जाएगा।
8. भवन निर्माण में अग्निशमन हेतु मानको के अनुरूप प्रबन्ध करने का दायित्व प्रार्थी पर होगा।

संलग्नक : एक प्रति स्वीकृति मानचित्र।

अभियन्ता,
जिला पचांयत, अयोध्या।
अवर अभियन्ता
जिला पंचायत–अयोध्या

18/12/2019
अपर मुख्य अधिकारी
जिला पचांयत, अयोध्या।